विदेशों में आकर्षण का केंद्र बने यूपी के घड़ियाल

लखनऊ, विशेष संवाददाता। यूपी में कभी विलुप्ति के कगार पर पहुंच चुके घड़ियाल आज अंतरराष्ट्रीय पहचान बन चुके हैं। घड़ियाल पुनर्वास केंद्र, कुकरैल के सफल प्रजनन ने पूरी दुनिया को घड़ियाल संरक्षण के सफल भारतीय मॉडल के रूप में अपने आप को साबित किया। यहां के संरक्षित घड़ियाल अमेरिका, जापान जैसे अनेक देशों और भारत के विभिन्न प्रदेशों में आकर्षण के केंद्र बन रहे हैं। नेशनल जियोग्राफिक सोसाइटी ने इसे 'मोस्ट सक्सेसफुल कन्र्वसेशन प्रोजेक्ट इन इंडिया' की रेटिंग दी है।

इसके अतिरिक्त घड़ियालों को चम्बल, दुधवा, कतर्नियाघाट, हस्तिनापुर, महराजगंज, बहराइच तथा बाराबंकी की नदियों में देखा जा सकता है। वर्ष 1970 के सर्वेक्षण में पूरे देश में मात्र 250 से 300 घड़ियाल ही बचे थे। वर्ष 1975 में कुकरैल में घड़ियाल पुनर्वास केन्द्र की स्थापना की। चम्बल नदी, इटावा से घड़ियालों के अंडे लाकर कुकरैल में हैचिंग कराई गई।

- अमेरिका और जापान में भी संरक्षित हो रहे यूपी के घड़ियाल
- राज्य में घड़ियालों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही

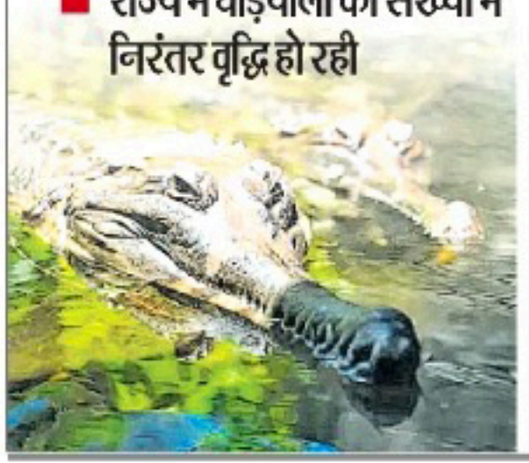

प्रतिवर्ष 140 से 160 घड़ियाल बढ़ रहे

कुकरैल घड़ियाल पुनर्वास केंद्र में अभी 466 घड़ियाल मौजूद हैं। प्रतिवर्ष लगभग 140 से 160 नए घड़ियाल बढ़ रहे हैं। कुकरैल में पले-बढ़े घडियाल केवल भारत के विभिन्न राज्यों तक ही सीमित नही रहे। यहां से भूटान, पाकिस्तान, जापान और अमेरिका के न्यूयॉर्क तक घड़ियाल भेजे गए हैं।

घड़ियाल देखने आ रहे पर्यटक : जयवीर

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'ईको पर्यटन के दृष्टिकोण से उत्तर प्रदेश महत्वपूर्ण राज्य है। विश्व में जो वन्यजीव दुर्लभ हैं वे भी उत्तर प्रदेश में उपलब्ध है। राज्य में घड़ियालों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। देश-विदेश से पर्यटक घड़ियालों को देखने आ रहे हैं।

466 घड़ियाल कुकरैल घड़ियाल पुनर्वास केंद्र में मौजूद हैं

1975 में कुकरैल में घड़ियाल पुनर्वास केन्द्र स्थापित हुआ

> नमामि गंगे परियोजना में 500 घड़ियाल अंडों को प्राकृतिक आवास से कुकरैल में हैच कराने का लक्ष्य इस साल है। **-संजय कुमार बिश्वाल,** जू निदेशक एवं वन संरक्षक, लुप्तप्राय परियोजना

> कुकरैल घड़ियाल पुनर्वास केंद्र में 500 के करीब घड़ियाल है। जोकि सफल प्रजनन से पूरी दुनिया में कुकरैल में भेजे जा रहे है। **सितांशु पांडेय,** डीएफओ, अवध वन प्रभाग, लखनऊ